सामाजिक परिवर्तन : अर्थ

1. प्रस्तावना

समाज कभी स्थिर नहीं रहता। समय के साथ समाज की **सामाजिक संरचना, संस्थाओं, संबंधों, भूमिकाओं, मूल्यों, मानदंडों और व्यवहारों** में निरंतर परिवर्तन होता रहता है। इसी क्रमिक अथवा तीव्र परिवर्तन को **सामाजिक परिवर्तन** कहा जाता है।

उदाहरण के लिए, भारतीय समाज में संयुक्त परिवार की संरचना में परिवर्तन, महिलाओं की शिक्षा एवं रोजगार में वृद्धि, जाति-व्यवस्था में परिवर्तन, ग्रामीण से नगरीय जीवन की ओर बढ़ता झुकाव तथा तकनीकी साधनों के बढ़ते प्रभाव को सामाजिक परिवर्तन के उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है।

2. सामाजिक परिवर्तन का सामान्य अर्थ

सामाजिक परिवर्तन दो शब्दों से मिलकर बना है—

- **सामाजिक** — समाज से संबंधित
- **परिवर्तन** — किसी स्थिति, स्वरूप या व्यवस्था में बदलाव

अतः सामान्य अर्थ में—

समाज की संरचना, सामाजिक संबंधों, संस्थाओं, मूल्यों, मानदंडों एवं व्यवहारों में समय के साथ होने वाले परिवर्तन को सामाजिक परिवर्तन कहा जाता है।

सामाजिक परिवर्तन केवल व्यक्तियों के व्यवहार में होने वाला परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह **समाज के सामाजिक संबंधों और सामाजिक व्यवस्था में होने वाला महत्वपूर्ण परिवर्तन** है।

3. सामाजिक परिवर्तन की प्रमुख विशेषताएँ

1. सामाजिक परिवर्तन सार्वभौमिक है

कोई भी समाज पूरी तरह स्थिर नहीं रहता। प्रत्येक समाज में किसी न किसी रूप में परिवर्तन होता रहता है।

2. सामाजिक परिवर्तन निरंतर चलता रहता है

सामाजिक परिवर्तन एक सतत प्रक्रिया है। समाज में परिवर्तन अलग-अलग गति से निरंतर होता रहता है।

3. सामाजिक परिवर्तन की गति समान नहीं होती

कुछ परिवर्तन बहुत तेजी से होते हैं, जबकि कुछ परिवर्तन धीरे-धीरे होते हैं।

उदाहरण के लिए, तकनीकी परिवर्तन तेजी से हो सकता है, जबकि सामाजिक मूल्यों में परिवर्तन अपेक्षाकृत धीमी गति से हो सकता है।

4. सामाजिक परिवर्तन अनेक क्षेत्रों में होता है

यह परिवर्तन—

- परिवार
- विवाह
- शिक्षा
- धर्म
- अर्थव्यवस्था
- राजनीति
- जाति
- ग्रामीण एवं नगरीय जीवन

जैसे सामाजिक क्षेत्रों में दिखाई दे सकता है।

5. सामाजिक परिवर्तन के अनेक कारण होते हैं

सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं—

- प्रौद्योगिकी
- आर्थिक परिवर्तन
- शिक्षा
- औद्योगीकरण
- नगरीकरण

- जनसंख्या परिवर्तन
- राजनीतिक परिवर्तन
- सामाजिक आंदोलन
- सांस्कृतिक परिवर्तन

4. सरल उदाहरण

पहले भारतीय समाज में महिलाओं की शिक्षा और रोजगार के अवसर अपेक्षाकृत सीमित थे। समय के साथ शिक्षा के प्रसार, कानून, आर्थिक परिवर्तन और सामाजिक जागरूकता के कारण महिलाओं की शिक्षा एवं रोजगार में वृद्धि हुई।

यह केवल व्यक्तिगत परिवर्तन नहीं है। इससे **परिवार, लैंगिक भूमिकाओं, आर्थिक संबंधों और सामाजिक स्थिति** में भी परिवर्तन आया। इसलिए इसे सामाजिक परिवर्तन कहा जाएगा।

5. एक पंक्ति में परिभाषा

"समय के साथ समाज की सामाजिक संरचना, सामाजिक संस्थाओं, सामाजिक संबंधों, मूल्यों और मानदंडों में होने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तन को सामाजिक परिवर्तन कहा जाता है।"

विद्यार्थियों के लिए याद रखने योग्य सूत्र

सामाजिक संरचना + सामाजिक संबंध + सामाजिक संस्थाएँ + मूल्य एवं मानदंड + समय के साथ परिवर्तन = सामाजिक परिवर्तन